छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 26-11-2021

स्थान: सेंटर ऑफ एकेडमिक

आज दिनांक 26 -11 -2021 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्विद्यालय, कानपुर में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस को चिह्नित करने के लिए एक मेगा कार्यक्रम की घोषणा की और नागरिकों को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के साथ प्रस्तावना पढ़ने के लिए आमंत्रित किया। इस कार्यक्रम के तहत विश्विविद्यालय में कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में अटल बिहारी वाजपई स्कूल ऑफ़ लीगल स्टडीज के द्वारा संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

जिसका उद्देश्य संविधान दिवस और उसकी महत्वता को समझाना। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के साथ ऑनलाइन प्रो.विनय कुमार पाठक, सी.डी.सी आर.के द्विवेदी प्रो. सुधीर अवस्थी, कुलसचिव अनिल कुमार यादव के साथ सभी छात्र-छात्राओं ने संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संस्थापक और कार्यकारी सदस्य पूर्व छात्र संघ उमंग अग्रवाल (अध्यक्ष, फिटा) ने अपने उद्बोधन में कहा कि विधि के लोगों को आज के इस संविधान दिवस को सदैव याद रखना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक अच्छा वकील बनने के लिए हमें संविधान के पीछे उसके तर्कों को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि संविधान हमें अनुशासन में रहना सिखाता है इसके साथ ही उन्होंने प्रस्तावना को संविधान की आत्मा बताया और कहा कि वह भारतीय समाज की फिलॉसफी है।

एडवोकेट अकिंत श्रीवास्तव ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान विभिन्न स्रोतों से निर्मित हुआ संविधान है यह हमारे समाज का एक ढांचा है जो लचीलेपन के साथ-साथ कठोरता का भी समावेश है। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद सभी छात्र-छात्राओं को सलाह देते हुए कहा कि यदि हम संविधान को और उसके अधिकारों को समझेंगे तो हमें इसे याद करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमें भाषा को कभी भी बाधा नहीं बनने देना चाहिए।

डीन अधिष्ठाता प्रो. सुधांशु पांडे ने बताया कि संविधान के अधिकारों और दायित्वों को समझते हुए हमें इसे अपने जीवन में प्रयोग में लाना चाहिए। साथ ही उन्होनें कहा कि वह इस तरह के कार्यक्रमों को भविष्य में और बड़े स्तर पर भी आयोजित कराएंगे।

डिपार्टमेंट ऑफ इनोवेशन के डॉ. अनिल त्रिपाठी ने कहा कि लोकतंत्र हमारे संविधान द्वारा दिया गया सबसे खूबसूरत तोहफा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ अधिकारों की मांग करना ही हमें संविधान नहीं सिखाता बल्कि यह हमें हमारे दायित्वों को भी समझाता है। साथ ही उन्होनें वहां मौजूद सभी छात्र-छात्राओं को संविधान का भावी संरक्षक बताया।

इस समारोह में विधि के छात्रों ने 'संवैधानिक लोकतंत्र ' पर ऑनलाइन क्विज कम्पटीशन में भी भाग लिया। कार्यक्रम में मयूरी सिंह ने सभी का स्वागत किया तथा स्मृति रॉय द्वारा संचालन किया गया। प्रमोद रंजन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।